भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 56

उत्तर देने की तारीख : 18 नवम्बर, 2019

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाना

56. श्री धनुष एम. कुमार :
श्री जी॰ सेल्वम :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पुस्तकों के महत्व पर प्रकाश डालने हेतु 'राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस' मनाया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके पीछे क्या उद्देश्य और लक्ष्य हैं;

(ख) देश में वर्तमान में चल रहे पुस्तकालयों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने पुस्तकें पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता फैलाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालय स्थापित किया है जहां लोग पुस्तकें नहीं खरीद सकते और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) बच्चों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) : जी, नहीं।

(ख) और (ग) : संस्कृति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन छः पुस्तकालय हैं, नामत:

i. राष्ट्रीय पुस्तकालय
ii. केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार
iii. केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय
iv. दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
v. खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी
vi. रामपुर रजा पुस्तकालय

ये पुस्तकालय पुस्तक पढ़ने की आदत को लोकप्रिय बनाने के लिए सदस्यता अभियान, पुस्तक प्रदर्शनी, व्याख्यान, कार्यशालाएं, संगोष्ठी आदि जैसे विभिन्न कार्यकलाप आयोजित करते हैं।

(घ) : पुस्तकालय राज्य विषय है। यह संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पुस्तकालय प्राधिकरणों के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करता है। अत: ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालयों की स्थापना करना राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पुस्तकालय प्राधिकरणों के अधिकारक्षेत्र के अंतर्गत आता है।

(ड.) : संस्कृति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन स्वायत्त संगठन, राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता बच्चों में पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों में बाल कॉर्नर की स्थापना करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

***